कक्षा-4 के लिए अपठित गद्यांश

आज़ाद भारत

1947 का साल, जब भारतीय उपमहाद्वीप ने अपनी स्वतंत्रता की कहानी लिखी। देश के कोने-कोने से उठती आवाज़ें, संघर्ष और बलिदान की गूंज, सब एक नई सुबह का संकेत दे रही थीं। स्वतंत्रता संग्राम के उन नायकों के सपनों की कड़ियों को जोड़ते हुए, एक ऐसा भारत आकार ले रहा था जिसकी कल्पना केवल किताबों में की गई थी।

दिल्ली की गलियों में रंगीन पतंगें उड़ रही थीं। बच्चे खुशी से झूमते हुए ऊँची आवाज़ में "भारत माता की जय" के नारे लगा रहे थे। उसमें एक विशेष जादू था जो उन लोगों के चेहरों पर ला रहा था, जो वर्षों से अपने अधिकारों के लिए लड़ते रहे। स्वतंत्रता केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक अनुभूति थी। राधिका, एक युवा शिक्षिका, अपने छात्रों के साथ मिलकर आज़ाद भारत के पहले दिन का जश्न मनाने का सोच रही थी। वह जानती थी कि यह केवल एक दिन का उत्सव नहीं था, बल्कि यह अपने आप में एक नई शुरुआत थी। उसने बच्चों को एक कविता सिखाई, जिसमें उस स्वतंत्रता की महक थी।

"सूर्य चमक रहा है, नया सवेरा आया है, आजादी की गूंज, हर दिल में समाया है। हम सब मिलकर बनाएंगे, एक नया भारत, जहाँ ना हो अंधेरा, बस हो उजाला और प्यार।" बच्चों के चेहरों पर खुशी की चमक थी। वे सब अपने-अपने सपनों में खो गए थे। उस दिन कक्षा में एक बच्चा, अर्जुन, खड़ा हुआ और कहा, "दीदी, हम क्या कर सकते हैं आज़ाद भारत के लिए?" राधिका ने मुस्कुराते हुए कहा, "तुम सब अपने सपनों को साकार करो, शिक्षा ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए

प्र०1. स्वतंत्रता दिवस की ख़ुशी कैसे मनाई जा रही थी?

उत्तर _____

_____

_____

प्र०2. शिक्षिका ने बच्चों को कौन सी कविता सिखाई**?**

उत्तर _____

_____

_____

प्र०3. राधिका ने शिक्षा के बारे में क्या कहा **?**

उत्तर _____

_____

_____

प्र०4. राधिका ने शिक्षा के बारे में क्या कहा **?**

उत्तर _____

_____

_____

प्र०4**. नीचे दिए गए शब्दों के विपरीतार्थक ऊपर दिए गए गद्यांश से ढूंढकर लिखें-**

1. गुलामी - ----------

---

2. अँधेरा ----------